भारत सरकार

रेल मंत्रालय

**राज्य सभा**

**23.03.2018 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 3347 का उत्तर**

**धुंध और खराबी के कारण रेलगाड़ियों में विलंब**

3347. सरदार बलविंदर सिंह भुंडरः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत एक वर्ष के दौरान धुंध या खराब होने के कारण ट्रेनों में विलंब के प्रतिशत का ब्यौरा क्या है;

(ख) उपरोक्त अवधि के दौरान, ट्रेनों में विलंब के कारण रेलवे को हुई वित्तीय हानि का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या ट्रेनों के विलंब को कम करने के लिए रेलवे द्वारा कोई कदम उठाए गए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेन गोहांई)

1. से (ग) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*

धुंध और खराबी के कारण रेलगाड़ियों में विलंब के संबंध में 23.03.2018 को राज्य सभा में सरदार बलविंदर सिंह भुंडर के अतारांकित प्रश्न सं. 3347 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित **विवरण**

(क) : अप्रैल 2017 से 15 मार्च 2018 तक की अवधि के दौरान, लगभग 17.5% गाडियां कोहरे के कारण अपने गंतव्य पर विलम्ब से पहुंचीं और लगभग 24.6% गाड़ियां विभिन्न ब्रेकडाउन, जिनमें दुर्घटनाएं, लोको की खराबी, शिरोपरि उपस्कर की खराबी, बिजली की खराबी, सवारीडिब्बे एवं मालडिब्बे की खराबी, इंजीनियरी संबंधी विफलता और सिगनल एवं दूरसंचार संबंधी विफलता आदि शामिल हैं, के कारण देरी से चलीं।

(ख) : प्रत्येक गाड़ी के समयपालन के आधार पर रेलों की वित्तीय हानि की गणना नहीं की जाती।

(ग) : भारतीय रेल ने समयपालन में सुधार के लिए विभिन्न उपाय किए हैं जैसे परिसंपत्ति की विफलता कम करने के लिए परिसंपत्तियों के निवारक अनुरक्षण की प्राथमिकता का निर्धारण, स्टेशनों पर अतिरिक्त लूप लाइनों का निर्माण, दोहरीकरण, तीसरी लाइन गलियारों का निर्माण करके क्षमता संवर्धन परियोजनाएं, स्वचालित सिगनल प्रणाली, समपारों के स्थान पर कम ऊंचाई वाले सब-वे, निचले रेल पुलों और ऊपरी रेल पुलों आदि का निर्माण। इसके अलावा, समय-समय पर समयपालन अभियान चलाए जाते हैं और गाड़ी परिचालन में जुड़े कर्मचारियों को संवेदनशील बनाया जाता है। इसके अतिरिक्त, क्षेत्रीय रेलों को कानून एवं व्यवस्था संबंधी समस्याओं से निपटने के लिए राज्यों के सिविल और पुलिस प्राधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने की सलाह दी गई है।

\*\*\*\*\*